प्रकाशन तिथि : 15 जून, 2024
प्रेषण तिथि : 19 जून, 2024

'डाक पंजियन सं. जयपुर सिटी/247/2024-2026
स.प.सं. 66332/97

पथ-प्रेरक

पाक्षिक

वर्ष 28 | अंक 07 | कुल पृष्ठ: 8 | एक प्रति: रुपए 7.00 | वार्षिक : रुपए 150/-

अपने आप को पूज्य तनसिंह जी का प्रतिनिधि मानें: संघप्रमुख श्री

शक्तिधाम (सुरेंद्रनगर) में दो दिवसीय शिविर का आयोजन

गुजरात के सुरेंद्रनगर में स्थित श्री क्षत्रिय युवक संघ के क्षेत्रीय कार्यालय 'शक्तिधाम' में गुजरात के स्वयंसेवकों का दो दिवसीय शिविर माननीय संघप्रमुख श्री लक्ष्मण सिंह बैण्याकाबास के सान्निध्य में 8-9 जून को आयोजित हुआ। स्वयंसेवकों से चर्चा करते हुए संघप्रमुख श्री ने कहा कि आप सभी श्री क्षत्रिय युवक संघ का कार्य यह समझते हुए करें कि आपके हृदय में पूज्य तनसिंह जी विराजमान है। अपने आप को पूज्य तनसिंह जी का प्रतिनिधि मानते हुए हमें समाज में कार्य करना है। हमें अपने आचरण को तनसिंह जी की ही भांति श्रेष्ठ बनाना होगा जिससे हम अन्यों को भी श्रेष्ठ आचरण के लिए प्रेरित कर सकें। उन्होंने कहा कि यह वर्ष हमें शाखा वर्ष के रूप में मनाना है। हमें नई शाखाएं प्रारंभ करनी हैं और शाखाओं में स्वयंसेवकों की संख्या भी बढ़ानी है। हमें स्वयं भी शाखाओं में नियमित जाना प्रारंभ करना है और प्रयास करना है कि 365 दिन में कम से कम 300 दिन हम शाखा में जाएं। शिविर में वरिष्ठ स्वयंसेवक माननीय अजीत सिंह जी धोलेरा का भी सान्निध्य प्राप्त हुआ। उन्होंने स्वयंसेवकों से कहा कि हमें परिवार में इस प्रकार से रहना चाहिए कि पूरे परिवार का वातावरण प्रेमपूर्ण और सात्विक बन जाए। हम स्वयं तपस्या और साधना का जीवन जिएंगे तभी यह संभव होगा। उन्होंने कहा कि श्री क्षत्रिय युवक संघ संपूर्ण योग मार्ग है जिस पर चलकर हम जीवन के सभी कर्तव्यों का पालन करते हुए अपने परम लक्ष्य को भी सहजता से प्राप्त कर सकते हैं। शिविर में उत्तर गुजरात, मध्य गुजरात एवं गोहिलवाड़ संभाग के 76 स्वयंसेवक उपस्थित रहे।

प्रताप जैसा जीवन जीना सिखाता है संघ: संघप्रमुख श्री

(देशभर में उत्साह से मनाई वीर शिरोमणि महाराणा प्रताप की जयंती)

महाराणा प्रताप का जीवन हमें स्वतः ही प्रेरणा देता है लेकिन शर्त यह है कि हम उस प्रेरणादायी जीवन को पढ़ें, सुनें, देखें और जिएं। श्री क्षत्रिय युवक संघ ऐसे प्रेरणादायी जीवन को केवल प्रवचनों या भाषणों के माध्यम से सुनाना ही नहीं चाहता बल्कि उस जीवन को जीने की कला सिखाता है। उन महापुरूषों ने किस प्रकार से अपना जीवन जिया, उस जीवन को जीने के लिए आप किस प्रकार से तत्पर हो सकते हैं, इसका व्यावहारिक ज्ञान संघ देता है। महाराणा प्रताप का 25 वर्ष का जो कष्टपूर्ण और संघर्षशील जीवन है उसको सुनना अलग बात है लेकिन उस जीवन को यदि हम जिएं, पूरा नहीं जी सकते हैं, लेकिन यदि शतांश भी हम जीने का प्रयत्न करें तो हम यह अनुभव कर सकते हैं कि उनका जीवन कैसा था और क्यों उन्हें प्रातः स्मरणीय कहा जाता है। अन्यथा हम चाहे प्रवचन और भाषण सुनकर चले जाएं, उनकी जय जयकार कर-के चले जाएं, इन सब का कोई महत्व नहीं है। उपर्युक्त बात माननीय संघप्रमुख श्री लक्ष्मण सिंह बैण्याकाबास ने गुजरात के सुरेंद्रनगर में स्थित शक्तिधाम कार्यालय में 9 जून को आयोजित महाराणा प्रताप जयंती कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कही। उन्होंने कहा कि महाराणा प्रताप ने राज्य सत्ता प्राप्त करने के लिए अपने भाई जगमाल से संघर्ष करना उचित नहीं समझा और समाज चरित्र का पालन किया। महाराणा प्रताप के पुत्र अमर सिंह ने जब अब्दुर्र रहीम खानखाना के परिवार की स्त्रियों को बंदी बना लिया तब प्रताप ने क्षत्रिय चरित्र का अनुकरणीय उदाहरण प्रस्तुत करते हुए कहा कि ये स्त्रियां हमारी माता के समान हैं और उन्होंने अमर सिंह को अकेले ही शत्रु के शिविर में जाकर उन स्त्रियों को ससम्मान वापस लौटाने का आदेश दिया। प्रताप का पूरा जीवन संघर्ष की एक गाथा है। 57 साल की आयु में 25 वर्ष तक वे निरंतर संघर्ष करते रहे।

(शेष पृष्ठ 7 पर)

राष्ट्रीय लोकतांत्रिक गठबंधन को बहुमत, लगातार तीसरी बार बनी सरकार

(केंद्र में दो कैबिनेट व तीन राज्यमंत्री सहित कुल पांच मंत्री राजपूत समाज से)

18वीं लोकसभा के लिए सात चरणों में हुए चुनावों के परिणाम 4 जून को घोषित हुए। इन चुनावों में भाजपा के नेतृत्व वाले राष्ट्रीय लोकतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) को बहुमत प्राप्त हुआ एवं उसने 292 सीटों पर विजय प्राप्त की। एनडीए द्वारा श्री नरेंद्र मोदी को अपना नेता चुना गया जिन्होंने लगातार तीसरी बार प्रधानमंत्री के रूप में 9 जून को शपथ ली। नई सरकार में राजपूत समाज से पांच मंत्री नियुक्त हुए हैं जिनमें कैबिनेट मंत्री के रूप में लखनऊ के सांसद राजनाथ सिंह को रक्षा मंत्रालय और जोधपुर से सांसद गजेंद्र सिंह शेखावत को संस्कृति एवं पर्यटन मंत्रालय का प्रभार सौंपा गया है। श्री क्षत्रिय युवक संघ के स्वयंसेवक गजेंद्र सिंह लगातार तीसरी बार केंद्र में मंत्री बने हैं। जम्मू कश्मीर के उधमपुर सीट से सांसद निर्वाचित हुए डॉ. जितेंद्र सिंह को विज्ञान एवं तकनीकी मंत्रालय के राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) के साथ प्रधानमंत्री कार्यालय के राज्यमंत्री का दायित्व मिला है। गोंडा (उत्तर प्रदेश) से सांसद कीर्तिवर्धन सिंह को पर्यावरण मंत्रालय और विदेश मंत्रालय में राज्य मंत्री का दायित्व मिला है। श्री भूपति राजु श्रीनिवास वर्मा भी आंध्रप्रदेश के राजु राजपूत हैं जिन्हें भारी उद्योग एवं स्टील मंत्रालय का राज्यमंत्री बनाया गया है।

श्री क्षत्रिय युवक संघ संगठनात्मक स्वरूप 2024-2025

मार्गदर्शन व संरक्षण: माननीय भगवानसिंह जी रोलसाहबसर
संघ प्रमुख: माननीय लक्ष्मणसिंह जी बैण्याकाबास
संयोजक: श्री प्रताप फाउण्डेशन: माननीय महावीरसिंह जी सरवड़ी

केन्द्रीय कार्यकारी

शिविर कार्यालय	श्री गजेन्द्रसिंह आऊ
लेखा, संस्थान व संयोमा	श्री गंगासिंह साजियाली
प्रकाशन, प्रचार-प्रसार, रिकॉर्ड एवं अनुषंगिक संगठन	श्री रेवन्तसिंह पाटोदा
विस्तार-उत्तरप्रदेश व मध्यप्रदेश	श्री प्रेमसिंह रणधा
विस्तार-गोहिलवाड़, महाराष्ट्र, दक्षिण भारत	श्री महेन्द्रसिंह पांची
विस्तार-उत्तर गुजरात, मध्य गुजरात व दक्षिण गुजरात	श्री दीवानसिंह काणेटी
विस्तार-हरियाणा व राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र	श्री तारेन्द्रसिंह झिनझिनयाली

केन्द्रीय विभाग

शाखा लेखा-सम्पूर्ण भारत	श्री छनुभा पच्छेगांव
शाखा लेखा-गुजरात	श्री धर्मेन्द्रसिंह आमली
शाखा विस्तार-राजस्थान	श्री महेन्द्रसिंह गुजरावास
शाखा विस्तार-गुजरात	श्री विक्रमसिंह कमाणा
मातृशक्ति विभाग	श्री जोरावरसिंह भादला
व्यवस्था-केन्द्रीय कार्यालय व अन्य	श्री राजेन्द्रसिंह बोबासर
वेबसाईट व सोशल मीडिया	श्री अभयसिंह रोड़ला
रिकॉर्ड विभाग	श्री बृजराजसिंह खारड़ा श्री जितेन्द्रसिंह देवली
कर्मचारी विभाग	श्री कृष्णसिंह राणीगांव
विज्ञापन विभाग	श्री जितेन्द्रसिंह देवली

संभाग-जयपुर संभाग प्रमुख श्री रामसिंह अकदड़ा

प्रांत	प्रांत प्रमुख
जयपुर (शहर)	श्री श्यामसिंह चिरनोटिया
जयपुर ग्रामीण (उत्तर-पूर्व)	श्री प्रवीणसिंह विजयपुरा
जयपुर ग्रामीण (दक्षिण-पश्चिम)	श्री दीपसिंह सामी
बुन्देल खण्ड (उत्तरप्रदेश)	श्री जितेन्द्रसिंह सिसरवादा
टोंक	श्री देवेन्द्रसिंह बड़वाली
करोली	श्री महादेवसिंह दांतली

संभाग-पूर्वी राजस्थान संभाग प्रमुख: श्री मदनसिंह बामणिया

प्रांत	प्रांत प्रमुख
1. दौसा	श्री नानूसिंह रूखासर
2. अलवर	श्री गजराजसिंह पीपली

संभाग-शेखावटी संभाग प्रमुख: श्री खींवसिंह सुल्ताना

प्रांत	प्रांत प्रमुख
1. चुरू	श्री किशनसिंह गौरीसर
2. सीकर	श्री जुगराजसिंह जुलियासर
3. हिसार	श्री अरविन्दसिंह बालवा

संभाग - नागौर संभाग प्रमुख: श्री शिम्भूसिंह आसरवा

प्रांत	प्रांत प्रमुख
1. लाडनूं	श्री विक्रमसिंह ढींगसरी
2. कुचामन	श्री नत्थूसिंह छापड़ा
3. मकराना	श्री शिवराजसिंह आसरवा
4. डीडवाना	श्री जयसिंह सागु बाड़ी
5. नागौर	श्री उगमसिंह गोकुल

संभाग-बीकानेर संभाग प्रमुख: श्री रेवन्तसिंह जाखासर

प्रांत	प्रांत प्रमुख
1. बीकानेर शहर	श्री राजेन्द्रसिंह आलसर
2. बीकानेर ग्रामीण	श्री जुगलसिंह बेलासर
3. डूंगरगढ़	श्री जेठूसिंह पून्दलसर
4. कोलायत	श्री गुलाबसिंह आसापुरा
5. नोखा	श्री करणीसिंह भेलू
6. पूंगल अनूपगढ़	श्री शक्तिसिंह आशापुरा

संभाग-मेवाड़-मालवा संभाग प्रमुख: श्री बृजराजसिंह खारड़ा

प्रांत	प्रांत प्रमुख
1. अजमेर	श्री विजयराजसिंह जालिया
2. भीलवाड़ा	श्री गजेन्द्रसिंह चौकी का खेड़ा
3. चित्तौड़गढ़	श्री दिलीपसिंह रूद
4. हाड़ौती	श्री वीरेन्द्रसिंह तलावदा
5. मालवा	श्री गुमानसिंह वालाई

संभाग-मेवाड़-वागड़ संभाग प्रमुख: श्री भंवरसिंह बैमला

प्रांत	प्रांत प्रमुख
1. उदयपुर	श्री फतहसिंह भटवाड़ा
2. राजसमंद	श्री मोहब्बतसिंह भैसाणा
3. प्रतापगढ़	श्री होकमसिंह बरोठा
4. डूंगरपुर	श्री टैक बहादुरसिंह गेहूंवाड़ा
5. बांसवाड़ा	श्री हनुवंतसिंह सज्जनसिंह जी का गड़ा

संभाग-जोधपुर संभाग प्रमुख: श्री चन्द्रवीरसिंह देनोक

प्रांत	प्रांत प्रमुख
1. शेरगढ़	श्री भैरूसिंह बेलवा
2. फलोदी	श्री भवानीसिंह पीलवा
3. ओसियां	श्री पदमसिंह ओसियां
4. जोधपुर शहर	श्री भरतपाल सिंह दासपा
5. लूणी	श्री लक्ष्मणसिंह गुड़ानाल
6. बिलाड़ा-भोपालगढ़	श्री चैनसिंह साथिन

संभाग-बालोतरा संभाग प्रमुख: श्री मूलसिंह काठाड़ी

प्रांत	प्रांत प्रमुख
1. सिवाना	श्री मनोहरसिंह सिणेर
2. बालोतरा	श्री गोविन्दसिंह गूगड़ी
3. बायतु	श्री मूलसिंह चांदेसरा

संभाग-बाड़मेर संभाग प्रमुख: श्री महिपालसिंह चूली

प्रांत	प्रांत प्रमुख
1. बाड़मेर शहर	श्री छगनसिंह लूणू
2. बाड़मेर ग्रामीण	श्री उदयसिंह लाबराउ
3. चौहटन	श्री लालसिंह आकोड़ा
4. सेड़वा	श्री कालूसिंह गंगासरा
5. गुड़ामालानी	श्री गणपतसिंह बूठ
6. शिव	श्री राजेन्द्रसिंह भिंयाड़
7. हरसाणी	श्री सज्जनसिंह उगेरी
8. गड़ारोड	श्री समुन्द्रसिंह हरसाणी

संभाग-जालोर संभाग प्रमुख: श्री अर्जुनसिंह देलदरी

प्रांत	प्रांत प्रमुख
1. जालोर	श्री खुमाणसिंह दुदिया
2. भीनमाल	श्री ईश्वरसिंह सांगाणा
3. सांचौर	श्री महेन्द्रसिंह कारोला
4. सिरोही	श्री ईश्वरसिंह सरण का खेड़ा
5. पाली	श्री मोहब्बत सिंह धींगाणा
6. रानीवाड़ा	श्री प्रवीणसिंह सुरावा

संभाग-जैसलमेर संभाग प्रमुख: श्री गणपतसिंह अवाय

प्रांत	प्रांत प्रमुख
1. जैसलमेर	श्री महिपालसिंह तेजमालता
2. रामगढ़	श्री पदमसिंह रामगढ़
3. झिनझिनयाली	श्री मनोहरसिंह झिनझिनयाली
4. चांधन	श्री उम्मेदसिंह बड़ोडागांव
5. म्याजलार	श्री ईश्वरसिंह बेरसियाला (I)
6. पोकरण	श्री नरपतसिंह राजगढ़
7. रामदेवरा	श्री अमरसिंह रामदेवरा

संभाग-मध्य गुजरात संभाग प्रमुख: श्री बटुकसिंह काणेटी

प्रांत	प्रांत प्रमुख
1. अहमदाबाद शहर	श्री दिग्विजयसिंह पलवाड़ा
2. अहमदाबाद ग्रामीण	श्री अनिरूदसिंह काणेटी
3. चरोतर	श्री अरविन्दसिंह काणेटी
4. महिसागर	श्री पूर्णचंद्रसिंह छैलीघोड़ी
5. गांधीनगर	श्री पुष्पराजसिंह पड़ूसमा
6. अरवल्ली	श्री राजेन्द्रसिंह भैसाणा

संभाग-उत्तर गुजरात संभाग प्रमुख: श्री वनराजसिंह भैसाणा

प्रांत	प्रांत प्रमुख
1. मेहसाणा	श्री इन्द्रजीतसिंह जेतलवासणा
2. पाटन	श्री धर्मेन्द्रसिंह मोटी चंदूर
3. सिद्धपुर	श्री महेशसिंह जगन्नाथपुरा
4. थराद	श्री भगवानसिंह वलादर
5. पालनपुर	श्री अजीतसिंह कुणघेर

संभाग-गोहिलवाड़ संभाग प्रमुख: श्री प्रवीणसिंह धोलेरा

प्रांत	प्रांत प्रमुख
1. भाल	श्री जयपालसिंह धोलेरा
2. भावनगर	श्री यशपालसिंह धलसर
3. मोरचंद	श्री नवदीपसिंह अवानीया
4. हल्लार	श्री शक्तिसिंह कोटड़ा
5. खोडियार	श्री घनश्यामसिंह बावड़ी
6. झालावाड़	श्री छनूभा पछैगांव

संभाग-दक्षिण गुजरात संभाग प्रमुख: श्री खेतसिंह चांदेसरा

प्रांत	प्रांत प्रमुख
1. सूरत शहर	श्री दिपीलसिंह गड़ा
2. सूरत ग्रामीण	श्री भवानीसिंह माडपुरिया

संभाग-महाराष्ट्र संभाग प्रमुख: श्री रणजीतसिंह आलासन

प्रांत	प्रांत प्रमुख
1. उत्तर मुम्बई	श्री देवीसिंह झलोड़ा
2. दक्षिण मुम्बई	श्री शम्भूसिंह धीरा
3. वापी	श्री रामसिंह सोमेसरा

संभाग-शेष दक्षिण भारत संभाग प्रमुख: श्री नीरसिंह सिंघाणा

प्रांत	प्रांत प्रमुख
1. पूणे	श्री रघुनाथसिंह बैण्याकाबास
2. दक्षिण भारत	श्री रणजीतसिंह चौक

संभाग - दिल्ली संभाग प्रमुख: श्री रेवंतसिंह धीरा

प्रांत	प्रांत प्रमुख
1. दिल्ली शहर	श्री महेन्द्रसिंह सेखाला
2. दिल्ली एनसीआर	श्री भूपेन्द्रसिंह खारी

संघ वीणा और हम तार हैं, जैसे हम होंगे वैसा ही स्वर निकलेगा: संघप्रमुख श्री

(गांधीनगर में युवकों का उच्च प्रशिक्षण शिविर संपन्न, भाल पर तिलक लगाकर दी विदाई)

प्रिय बंधुओ! आज से ग्यारह दिन पहले हमने एक ज्योति जलाई, एक यज्ञ का अनुष्ठान किया और उस यज्ञ को, उस ज्योति को निरंतर ग्यारह दिन तक जलाए रखने का अभ्यास किया। लेकिन ग्यारह दिन पूरे होने के बाद वह ज्योति बुझानी नहीं है। यह ज्योति जो हमारे हृदय में प्रारंभ हो गई है, हम जीवन भर इस ज्योति को जलाए रहेंगे, उसे बुझने नहीं देंगे। इन ग्यारह दिनों में हमने हमारे धर्म, इतिहास, संस्कृति आदि का अध्ययन किया, अभ्यास किया, हृदय में धारण करने का प्रयास किया। हमको सजग रहना होगा कि वह ज्योति बुझ नहीं जाए। समूह के साथ, शिक्षकों के मार्गदर्शन में हमने यहां अभ्यास किया लेकिन यहां से जाने के बाद यह सब साथ नहीं होंगे। केवल वह ज्योति, जो हमारे हृदय में है, वही साथ रहेगी। हमारे हृदय में जो बीज अंकुरित हुआ है, उसकी रक्षा करनी है, क्योंकि बाहर ऐसा वातावरण नहीं मिलेगा जो यहां मिला है और विपरीत वातावरण में बीज नष्ट भी हो सकता है। हम कौन हैं, क्या बनने वाले हैं, यह सब इस पर ही निर्भर करता है कि हम उस बीज को कैसा वातावरण देते हैं। संघ आपका है और आप संघ के हैं, यह भाव बना रहेगा तभी हम स्वयंसेवक बन सकेंगे। संघ वीणा है और हम उसके तार हैं। उससे निकलने वाला स्वर वैसा ही होगा जैसे हम होंगे। हम स्वयं को कमजोर न होने दें। हमारा शरीर, मन और हृदय हमें मजबूत रखना है। उपर्युक्त बात माननीय संघप्रमुख श्री लक्ष्मण सिंह बैण्याकाबास ने गुजरात में गांधीनगर के राधेजा में स्थित गांधीनगर इंटरनेशनल पब्लिक स्कूल परिसर में आयोजित श्री क्षत्रिय युवक संघ के उच्च प्रशिक्षण शिविर के समापन के अवसर पर शिविरार्थियों को विदाई देते हुए कही। उन्होंने कहा कि आज से ग्यारह दिन पहले हमारा स्वागत इसी स्थान पर इसी भाल पर तिलक लगाकर किया गया था। आज वही भाल, वही स्थान और वही तिलक है लेकिन अवसर विदाई का है। हमारे चेहरों पर उदासी है, पर हृदय में उत्साह है। स्वागत के समय भी आपको बताया गया था कि यहां हम कुछ लेने आए हैं और कुछ छोड़ने आए हैं। जो लेने योग्य है, वह लेना है और जो बुराइयां हैं, उन्हें छोड़ना है। अनेकों कार्यक्रमों के माध्यम से हमने यह लेने और छोड़ने का अभ्यास किया। जो संघ ने हमको दिया है, वही हमको लेकर जाना है, जो छोड़ा है उसे वापस नहीं ले जाना है। अपने उस संकल्प को बनाए रखें, जो यहां जगा है। सजग और जागृत रहने से ही यह संकल्प वज्र के समान मजबूत बनेगा। संकल्प क्षीण होने पर संघ पुनः ऐसे मेलों में हमको बुलाता है। इस ग्यारह दिन के अभ्यास को अपने तक ही सीमित नहीं रखना है। जहां आप जाएं, वहां उसका बीजारोपण करना है, उसे खाद-पानी देना है। इसका उपाय है संघ की शाखा। एक घंटे की शाखा तेईस घंटे के विषमय वातावरण को काट देगी। यह वर्ष शाखा वर्ष के रूप में मनाया जाएगा और हम सभी को शाखा लगानी है और शाखा में जाना है। इन शाखाओं के माध्यम से इस वर्ष हमें समाज, परिवार और राष्ट्र के वातावरण को अमृतमय बनाने के लिए कार्य करना है। 18 मई को प्रारंभ हुआ उच्च प्रशिक्षण शिविर 29 मई को संपन्न हुआ और इसमें देशभर से पहुंचे 430 शिविरार्थियों ने प्रशिक्षण प्राप्त किया।

जीवन में सद्गुणों को उतारने से ही सार्थक होगा संघ का शिक्षण: हरदासकाबास

(काणेटी में मातृशक्ति माध्यमिक प्रशिक्षण शिविर संपन्न)

इस सात दिवसीय शिविर में आपने जो कुछ भी नया सीखा है, चाहे वह यहां के खेलों से सीखा हो, बौद्धिक चचाओं और प्रवचनों में सीखा हो, यज्ञ और प्रार्थना से सीखा हो या अन्य गतिविधियों से सीखा हो, उसे अपने जीवन में उतारना आवश्यक है। श्री क्षत्रिय युवक संघ में जो शिक्षण आपको मिला है वह सार्थक तभी होगा जब उस शिक्षण के अनुरूप सद्गुणों को आप अपने आचरण में उतारेंगी। संघ की और समाज की आशाएं और उम्मीदें आप पर केंद्रित हैं। आपके जीवन में जो सद्गुण उतरेंगे, वे ही आपके माध्यम से समाज की भावी पीढ़ी की धरोहर बनेंगे। उपर्युक्त बात वरिष्ठ स्वयंसेविका जागृति बा हरदासकाबास ने अहमदाबाद जिले के काणेटी गांव में 23 से 29 मई तक आयोजित मातृशक्ति माध्यमिक प्रशिक्षण शिविर के विदाई कार्यक्रम में शिविरार्थी बालिकाओं को संबोधित करते हुए कही। उन्होंने कहा कि हम सब ने इस शिविर में कुछ प्रेरणा प्राप्त की है, हमारे मन में हमने कुछ प्रण लिए हैं, समाज के प्रति हमारे मन में कुछ अरमान जागृत हुए हैं। ये प्रेरणा, प्रण और अरमान हमारे हृदय में जागृत रखने के लिए हमें निरंतर संघ के संपर्क में रहना होगा। नियमितता और निरंतरता से ही कोई भी अभ्यास सफल होता है। हम अपनी संस्कृति को, अपने इतिहास को, अपने स्वधर्म को भुलाकर आज भौतिकता की चकाचौंध में खो रहे हैं। हमारे परिवार बिखरने लगे हैं, हमारे शिक्षण संस्थान केवल किताबी शिक्षा तक सीमित हो गए हैं, ऐसे में समाज और राष्ट्र को अपने कर्त्तव्य की याद दिलाने के लिए चरित्र निर्माण के व्यावहारिक शिक्षण की आवश्यकता है। श्री क्षत्रिय युवक संघ उसी आवश्यकता को पूरी कर रहा है। इस कार्य में मातृशक्ति की महत्त्वपूर्ण भूमिका है इसीलिए आप अपने महत्त्व को और अपने दायित्व को समझें और यहां से जाने के बाद शिविर में मिले शिक्षण को अपने आचरण का अंग बनाकर अपने परिवार में और समाज में प्रसारित करें। शिविर में 110 बालिकाओं ने प्रशिक्षण प्राप्त किया।

श्रीनाथद्वारा में चार दिवसीय प्रशिक्षण शिविर संपन्न

राजसमंद जिले के श्रीनाथद्वारा में स्थित श्री महाराणा प्रताप सभा भवन में श्री क्षत्रिय युवक संघ का चार दिवसीय प्राथमिक प्रशिक्षण शिविर 5 से 8 जून तक आयोजित हुआ। मेवाड़ वागड़ संभाग प्रमुख भंवर सिंह बेमला ने शिविर का संचालन करते हुए शिविरार्थियों से कहा कि श्री क्षत्रिय युवक संघ हमें अपने जीवन को सही ढंग से जीने और अपने स्वधर्म के पालन का मार्ग बताता है। वर्तमान समय में वही समाज शक्तिशाली बन सकता है जो संगठित हो। संघ एक ध्येय, एक मार्ग, एक ध्वज और एक नेता के सिद्धांत पर चलते हुए समाज को संगठित करके उसे शक्तिशाली बनाने के लिए कार्य कर रहा है। उन्होंने कहा कि पूज्य तनसिंह जी के हृदय में समाज के प्रति जो पीड़ा थी, उसी पीड़ा को संघ प्रसारित कर रहा है। शिविर में सेदरां, सरदारपुरा, सोडावास, डाबियों का गुडा, झालो का गुडा, उरिया, रामपुरिया, पाखण्ड, कुमटिया, पातलपुरा, वानू, सुपारिया खेडा, चौहानो का गुडा, बेमला, चुण्डावत खेडी, बासनी कला, झालो का गुडा, जसवंतगढ, नया तालाब, मानी, रामसिंह जी का गुडा, धनला, सोमेसरा, रामगढ़, आक्या, चौगावडी, मुरलिया, भुरकिया खुर्द, बेणीपुरिया, कारोला, मगरावास आदि गांवों से 160 युवकों ने प्रशिक्षण प्राप्त किया।

डॉ. रघुवीर सिंह दांतिया को इंटरनेशनल हेल्थ केयर अवार्ड

सांचौर जिले के दांतिया गांव के निवासी डॉ रघुवीर सिंह को टाइम साइबर मीडिया की ओर से इंटरनेशनल हेल्थ केयर अवार्ड - 2024 से सम्मानित किया गया। प्रख्यात ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेटर ब्रेट ली द्वारा उन्हें यह सम्मान प्रदान किया गया। दांतिया को केरेटोकॉन्स एवं इरेगुलर कॉर्निया केयर के लिए यह सम्मान मिला। वर्तमान में गुजरात के अहमदाबाद में सेवाएं दे रहे रघुवीर सिंह केरेटोकॉन्स पर रिसर्च के लिए अमेरिका के शिकागो में भी सम्मानित हो चुके हैं, वहीं अफ्रीका के गेबोन में भी वे अपनी सेवाएं दे चुके हैं।

सिरोही का प्रांतीय स्नेहमिलन संपन्न

श्री क्षत्रिय युवक संघ के सिरोही प्रांत का प्रांतीय स्नेहमिलन व कार्ययोजना बैठक 2 जून को भटाना गांव में संपन्न हुई। प्रांत प्रमुख ईश्वर सिंह सरणकाखेड़ा ने बैठक में उपस्थित स्वयंसेवकों के साथ आगामी सत्र में प्रांत में आयोजित होने वाली सांघिक गतिविधियों के संबंध में चर्चा की और पूरे सत्र के लिए कार्ययोजना की रूपरेखा प्रस्तुत की। शाखा, शिविर, स्नेहमिलन, संपर्क यात्राएं, संघशक्ति-पथप्रेरक सदस्यता आदि विभिन्न बिंदुओं पर चर्चा करके लक्ष्य तय किए गए एवं तदनुरूप स्वयंसेवकों को दायित्व सौंपे गए।

नेतावल खेड़ा में मनाई शाखा की प्रथम वर्षगांठ

चित्तौड़गढ़ प्रांत के नेतावल खेड़ा में श्री क्षत्रिय युवक संघ की शाखा को एक वर्ष पूर्ण होने पर स्नेह मिलन कार्यक्रम का आयोजन किया गया जिसमें क्षेत्र के अनेकों सामाजबांधु मातृशक्ति सहित उपस्थित रहे। 9 जून को आयोजित कार्यक्रम में पदमपुरा में आयोजित होने वाले प्राथमिक प्रशिक्षण शिविर के बारे में भी चर्चा हुई और बताया गया कि शाखा के 25 बालक शिविर में भाग लेंगे।

संपादकीय

सामाजिक एकता में ही निहित है राजनैतिक एकता

लोकसभा चुनावों के परिणाम घोषित हो चुके हैं। देश ने लगातार तीसरी बार भाजपा नीत राष्ट्रीय लोकतांत्रिक गठबंधन को सरकार बनाने के लिए बहुमत दिया है। यद्यपि पिछले चुनावों की तुलना में और इन चुनावों से पूर्व की गई अपेक्षाओं के विपरित भारतीय जनता पार्टी अकेले बहुमत प्राप्त नहीं कर सकी और इसके पीछे अनेक अन्य कारकों के साथ भाजपा के मूल वोटर क्षत्रिय समाज की भाजपा के प्रति नाराजगी भी एक प्रमुख कारण रही। विभिन्न मुद्दों पर समाज की न्यायोचित मांगों की लगातार उपेक्षा से पनपी समाज की नाराजगी को समाज ने इन चुनावों में मतदान द्वारा व्यक्त किया, ये चुनाव परिणामों से स्पष्ट है। उत्तरप्रदेश, हरियाणा और राजस्थान में समाज के आक्रोश ने बड़ा प्रभाव दिखाया है, यद्यपि गुजरात और मध्यप्रदेश में समाज का आक्रोश समाज-सापेक्ष मतदान के रूप में प्रकट नहीं हुआ, यह भी चिंतनीय है। इन परिणामों से, विशेषतः राजस्थान के परिप्रेक्ष्य में, यह भी स्पष्ट है कि हमारे समाज के प्रति दुर्भावना रखने वालों को हराने के लिए हमने राजनैतिक और रणनीतिक समझदारी का परिचय दिया, वहीं हमारे आक्रोश का शिकार हमारे अपने राजनेता न हो, इसका भी हमने ध्यान रखने का प्रयास किया। समाज की राजनैतिक चेतना इन चुनावों में अधिक प्रखर होकर उभरी है, यह निःसंदेह सत्य है लेकिन प्रजातांत्रिक व्यवस्था में, जहां न्याय, सत्य, राष्ट्रप्रेम, दायित्वबोध जैसे सभी मूल्यों पर सत्ताप्राप्ति का एकमात्र मूल्य हावी है और इस मूल्य की प्राप्ति का एकमात्र उपाय संख्या बल है, वहां समाज की सामूहिक चेतना और भावनाओं का लाभ उठाने के लिए स्वार्थी तत्व भी सदैव अवसर की ताक में रहते हैं। ऐसे में यह आवश्यक है कि हम इस बात का विशेष ध्यान रखें कि समाज के लिए महत्त्वपूर्ण मुद्दों पर आधारित जिस आक्रोश को हमने इन चुनावों में हमारी शक्ति बनाकर प्रयुक्त किया, वही आक्रोश स्थाई घृणा में बदलकर हमारी ऐसी कमजोरी न बन जाए जिसका स्वार्थी तत्व लाभ उठाने में सफल हो जाएं।

यह सावधानी रखना इसलिए आवश्यक है, क्योंकि ऐसी भूल हम पहले भी कर चुके हैं। आजादी के समय से ही कांग्रेस के प्रति हमारा विरोध, जो कांग्रेस द्वारा उस समय हमारे विरुद्ध किए गए अनेक कुकृत्यों के कारण जन्मा था, कांग्रेस के विरुद्ध खड़े होने वाले प्रत्येक दल के प्रति हमारे समर्थन का कारण बना। कांग्रेस के विरुद्ध हमारा आक्रोश और उसके कारण कांग्रेस के विपक्षियों को समर्थन का स्वभाव हमारे भीतर इतना गहरा बैठ गया कि उसके कारण हमारे समर्थन को कांग्रेस के विपक्षियों द्वारा स्वाभाविक मान लिया गया और उसी के कारण उनके द्वारा हमारी उपेक्षा का दौर भी प्रारंभ हुआ। उसी उपेक्षा के अत्यधिक बढ़ जाने के कारण समाज में आक्रोश का वर्तमान वातावरण उत्पन्न हुआ है। अब यदि यह आक्रोश भी पहले की भांति स्थाई घृणा में बदलकर हमें अन्य दलों के पाले में बिना शर्त खड़ा कर देगा तो हम उसी दुष्चक्र में पुनः फंस जाएंगे। इसीलिए हमें किसी दल या व्यक्ति विशेष के प्रति ना तो अपने आक्रोश को स्थाई बनाना है ना ही अपने समर्थन को। हमारा आक्रोश और समर्थन किसी राजनैतिक दल अथवा व्यक्ति के सापेक्ष नहीं बल्कि समाज-सापेक्ष होना चाहिए। जो हमारे समाज के हितों के अनुकूल है वही हमारे समर्थन का अधिकारी है और जो हमारे समाज के विरुद्ध कार्य करता है वह हमारे आक्रोश का भागी भी बनना चाहिए। लेकिन साथ ही हमें वर्तमान राजनीति का यह सत्य भली प्रकार समझ लेना चाहिए कि सत्ता के अभिलाषी व्यक्तियों और दलों द्वारा सभी कार्य सत्ताप्राप्ति के अपने स्वार्थ को पूरा करने के लिए ही किए जाते हैं, किसी समाज से शत्रुता अथवा मित्रता निभाने के लिए नहीं। इसलिए हमें भी किसी राजनैतिक दल को स्थाई मित्र अथवा शत्रु न तो समझना चाहिए और न ही घोषित करना चाहिए। जिन समाजों ने लोकतांत्रिक राजनीति के इस सत्य को समझ लिया है, वे अपने समाज के हित के अनुरूप ही अपने समर्थन और विरोध को तय करते हैं और इसीलिए राजनीतिक दल भी स्वयं को उनके अनुकूल बनाए रखने का प्रयत्न करते हैं। इसीलिए समाज में राजनैतिक जागृति लाने के प्रयास करते समय इस बात का विशेष ध्यान रखना आवश्यक है कि हमारा किसी दल विशेष के प्रति आक्रोश उसी भांति हमारी कमजोरी ना बन जाए, जिस प्रकार उस दल के प्रति हमारा अशर्त समर्थन हमारी कमजोरी बन गया था और अभी भी है। समाज को राजनैतिक रूप से किसी का विरोधी अथवा समर्थक बनाने की अपेक्षा समाज में उस राजनैतिक विवेक को जागृत करने पर ही अधिक जोर दिया जाना चाहिए जो हमको समाज सापेक्ष निर्णय लेना और समाज की सामूहिक चेतना के साथ खड़ा होना सिखा सके।

राजनीति में किसी को स्थाई शत्रु और मित्र ना मानने के उपरोक्त समसामयिक सत्य को समझना जितना आवश्यक है, उतना ही आवश्यक दीर्घकालिक प्रभाव वाले इस सत्य को समझना भी है कि राजनैतिक रूप से या अन्य किसी रूप से भी समाज को शक्तिशाली बनाने का वास्तविक और एकमात्र उपाय है - विचार क्रांति से उत्पन्न सामाजिक एकता। ऐसी सामाजिक एकता के अभाव में राजनीतिक जागृति नहीं लाई जा सकती और कतिपय कुछ सीमा तक राजनैतिक जागृति आ भी जाए तो भी वह व्यापक सामाजिक हित में प्रयुक्त होने की अपेक्षा व्यक्तिगत महत्त्वाकांक्षाओं और स्वार्थों को पूरा करने की साधन ही बनी रहेगी। इसीलिए सर्वोच्च प्राथमिकता समाज में सच्ची एकता और संगठन का निर्माण करने को ही दी जानी चाहिए क्योंकि ऐसी सर्वांगीण एकता में राजनैतिक एकता स्वाभाविक रूप से निहित होगी। सामाजिक एकता के परिणाम स्वरूप घटित होने वाली राजनैतिक एकता ही स्थाई होगी और सदैव व्यापक सामाजिक हित के अनुकूल बनी रहेगी। यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि हम जितनी सरलता से राजनैतिक विरोध और समर्थन की बातों के प्रभाव में आकर उद्वेलित हो जाते हैं, उतनी गहराई से इस सच्ची सामाजिक एकता की आवश्यकता को अनुभव नहीं करते और अनुभव करते भी हैं तो उस दिशा में सक्रिय रूप से प्रयत्नशील नहीं बन पाते, क्योंकि यह कार्य दीर्घकालीन है, कष्टपूर्ण है और धैर्य व त्याग के बिना संभव नहीं है। श्री क्षत्रिय युवक संघ सामाजिक एकता की इस आवश्यकता को अनुभव भी करता है और इस आवश्यकता को पूरी करने के लिए वह एक ध्येय, एक मार्ग, एक ध्वज और एक नेता के सिद्धांत पर चलते हुए समाज को सही अर्थों में संगठित करने का कार्य भी कर रहा है। आएं, हम भी इस कार्य में सक्रिय सहयोगी बनें और समाज को केवल राजनैतिक रूप से ही नहीं, बल्कि सर्वांगीण रूप से शक्तिशाली बनाने में योगदान दें।

राजस्थान से तीन और पूरे देश से 27 राजपूत पहुंचे लोकसभा

लोकसभा चुनावों के परिणाम 4 जून को घोषित हुए जिसमें पूरे देश से 27 राजपूत सांसद जीत कर लोकसभा पहुंचे। राजस्थान में जोधपुर, राजसमंद और जयपुर ग्रामीण लोक सभा सीट से राजपूत उम्मीदवार विजयी हुए। विजयी राजपूत सांसदों की सूची दल एवं लोकसभा क्षेत्र के नाम सहित यहां प्रस्तुत है :-

1. गजेंद्र सिंह शेखावत, जोधपुर (राजस्थान), भाजपा
2. महिमा कुमारी मेवाड, राजसमंद (राजस्थान), भाजपा
3. राव राजेंद्र सिंह शाहपुरा, जयपुर ग्रामीण (राजस्थान), भाजपा
4. राजनाथ सिंह, लखनऊ (उत्तरप्रदेश), भाजपा
5. कीर्ति वर्धन सिंह गोंडा (उत्तरप्रदेश), भाजपा
6. जगदंबिका पाल, डुमरियागंज (उत्तरप्रदेश), भाजपा
7. देवेंद्र सिंह भोले, अकबरपुर (उत्तरप्रदेश), भाजपा
8. करण भूषण सिंह, केसरगंज (उत्तरप्रदेश), भाजपा
9. कंगना रनौत, मंडी (हिमाचल प्रदेश), भाजपा
10. अनुराग ठाकुर, हमीरपुर (हिमाचल प्रदेश) भाजपा
11. त्रिवेंद्र सिंह, हरिद्वार (उत्तराखंड), भाजपा
12. माला राजलक्ष्मी शाह, टिहरी गढ़वाल (उत्तराखंड), भाजपा
13. राधा मोहन सिंह, पूर्वी चंपारण (बिहार), भाजपा
14. जनार्दन सिंह, महाराजगंज (बिहार) भाजपा
15. राजीव प्रताप रूडी, सारण (बिहार), भाजपा
16. लवली आनंद, शिवहर (बिहार), जदयु
17. डॉ. जितेंद्र सिंह, उधमपुर (जम्मू और कश्मीर), भाजपा
18. शिव मंगल सिंह तोमर, मुरैना (मध्यप्रदेश), भाजपा
19. राजू बिष्ट, दार्जिलिंग (पश्चिम बंगाल), भाजपा
20. संगीता कुमारी सिंहदेव, बालागिरी (ओडिशा), भाजपा
21. मालविका केशरी देव, कालाहांडी (ओडिशा), भाजपा
22. महारानी कृति सिंह देब, त्रिपुरा पूर्व, भाजपा
23. भूपति राजू श्रीनिवास वर्मा, नरसापुरम (आंध्रप्रदेश), भाजपा
24. वीणा सिंह, वैशाली (बिहार), लोजपा
25. सुधाकर सिंह, बक्सर (बिहार), राजद
26. आनंद भदौरिया, धौरहरा (उत्तरप्रदेश), सपा
27. बीरेंद्र सिंह, चंदौली (उत्तरप्रदेश) सपा

लाडनूं-डीडवाना प्रांत का संयुक्त स्नेहमिलन संपन्न

श्री क्षत्रिय युवक संघ के लाडनूं और डीडवाना प्रांत का संयुक्त स्नेहमिलन 9 जून को लाडनूं में आयोजित किया गया जिसमें आगामी एक वर्ष के लिए कार्ययोजना तैयार की गई और विभिन्न उत्तरदायित्व सहयोगियों को सौंपे गए। माननीय संघप्रमुख श्री के निदेर्शानुसार इस वर्ष को शाखा वर्ष के रूप में मनाते हुए प्रत्येक प्रांत में शाखाओं की संख्या बढ़ाने पर चर्चा की गई। इस सत्र में होने वाले शिविर, स्नेहमिलन, जयंती समारोह आदि पर भी चर्चा करके तदनुरूप दायित्व सौंपे गए। डीडवाना प्रांत में छोटी खाटू, मौलासर व डीडवाना शहर में एवं लाडनूं प्रांत में लाडनूं, सुजानगढ़ व बीदासर मंडल में शिविर तय किए गए। कार्यक्रम में विक्रम सिंह ढींगसरी, नंद सिंह बैड़, मोहन सिंह प्यावां, जगदीश सिंह सिंघाना व अन्य सहयोगी उपस्थित रहे।

महाराणा प्रताप जयंती एवं प्रतिभा सम्मान समारोह को लेकर बैठक का आयोजन

गंगापुर सिटी में श्री राजपूत करणी सेना द्वारा 9 जून को बैठक आयोजित की गई। बैठक में 23 जून को आयोजित होने वाले महाराणा प्रताप जयंती समारोह व प्रतिभा सम्मान समारोह के संबंध में चर्चा की गई। महाराणा प्रताप जयंती समारोह का पोस्टर विमोचन भी बैठक के दौरान किया गया। बैठक में निर्णय लिया गया कि समाज के जिन छात्र-छात्राओं ने कक्षा 10 एवं 12 में 80% या उससे अधिक अंक प्राप्त किए हैं, उन्हें प्रतिभा सम्मान समारोह में सम्मानित किया जाएगा।

अक्षय राज सिंह कोटडी ने ताशकंद में किया भारत का प्रतिनिधित्व

कोटड़ी गांव के निवासी अक्षय राज सिंह ने उज्बेकिस्तान के ताशकंद शहर में 14 से 20 मई तक आयोजित हुई सेंट्रल एशिया हैंडबॉल चैंपियनशिप में भारत का प्रतिनिधित्व करते हुए कांस्य पदक जीता। उनके भारत वापस लौटने पर अशोक विहार विस्तार कॉलोनी, जयपुर में 2 जून को सम्मान समारोह का आयोजन किया गया जिसमें भाजपा नेता श्रवण सिंह बगड़ी, कान सिंह कालवा, सत्येंद्र सिंह सतनाली, विकास बारेठ, गोपाल सिंह सहित अनेकों गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे।

बुलंदशहर में मनाया सम्राट वीर विक्रमादित्य विजयोत्सव

उत्तरप्रदेश के बुलंदशहर में क्षत्रिय समाज द्वारा अनूपशहर रोड पर स्थित बाबू सिंह कन्या इंटर कॉलेज में सम्राट वीर विक्रमादित्य विजयोत्सव का आयोजन 9 जून को किया गया। कार्यक्रम में भाजपा नेता सतेंद्र सिसोदिया, विकास चौहान, विधायक लक्ष्मीराज सिंह, पूर्व विधायक विमला सोलंकी, पूर्व मंत्री रणवीर सिंह, सुनील सिंह, वेदपाल सिंह, रमेश सिंह राघव, महिपाल सिंह, रामू चौहान, हिटलर सिंह पंवार सहित अनेकों गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे। सभी वक्ताओं ने वीर विक्रमादित्य के पराक्रम एवं न्यायप्रियता के बारे में बताते हुए उनके जीवन से प्रेरणा लेने का आह्वान किया।

हर्षोल्लास से मनाई सम्राट पृथ्वीराज चौहान की जयंती

7 जून को नागौर के अहिछत्रपुर दुर्ग में सम्राट पृथ्वीराज चौहान की जयंती मनाई गई। जोधपुर के पूर्व महाराजा गज सिंह ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि सम्राट पृथ्वीराज ने देश, धर्म और सर्व समाज की रक्षा के लिए संघर्ष किया। ऐसे महापुरुषों से हमें प्रेरणा लेनी चाहिए और सभी को साथ लेकर आगे बढ़ना चाहिए। धरोहर प्राधिकरण प्रोन्नति के अध्यक्ष ओंकार सिंह लखावत ने कहा कि पृथ्वीराज चौहान का व्यक्तित्व इतना महान है कि वह एक हजार वर्षों के बाद आज भी हम सभी को स्वतंत्रता और देश प्रेम की प्रेरणा दे रहा है। पूर्व मंत्री राजेंद्र सिंह राठौड़ ने कहा कि पृथ्वीराज चौहान सामूहिक निर्णय और संगठित शक्ति में विश्वास रखते थे और इसीलिए उन्होंने 26 वर्ष की आयु में 52 लड़ाइयां जीती। क्षत्रिय स्वाभिमान मंच द्वारा संचालित क्षत्रिय स्वाभिमान समिति के तत्वावधान में उत्तरप्रदेश के इटावा में स्थित शगुन वाटिका में सम्राट पृथ्वीराज चौहान की जयंती समारोह पूर्वक मनाई गई। पीजीआई सैफई के कुलपति डॉ. प्रभात सिंह पुंडीर ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि हमें अपने महापुरुषों के विचारों एवं उनके जीवन का अनुसरण करना चाहिए। डॉ चंद्रवीर सिंह ने समाज हित में पूरी निष्ठा से और संगठित होकर कार्य करने की बात कही।

भीण्डर में समारोह पूर्वक मनाई शक्तिसिंह जी की 482वीं जयंती

महाराणा प्रताप के छोटे भाई शक्तिसिंह जी की 482वीं जयंती उदयपुर जिले के भीण्डर कस्बे में स्थित भीण्डर राजमहल में 27 मई को समारोह पूर्वक मनाई गई। अखिल भारतीय क्षत्रिय महासभा के प्रदेश अध्यक्ष रणधीर सिंह भीण्डर, मेवाड़ क्षत्रिय महासभा के केंद्रीय अध्यक्ष अशोक सिंह मेतवाला सहित अनेकों गणमान्य व्यक्ति कार्यक्रम में उपस्थित रहे और अपने विचार रखे। सभी वक्ताओं ने कहा कि महाराजा शक्ति सिंह जी की जयंती के कार्यक्रम को आने वाले समय में और अधिक विस्तृत रूप में मनाया जाए, शक्ति सिंह जी के पैनोरमा का निर्माण किया जाए और उनकी छतरी का जीर्णोद्धार किया जाए। साहित्य में उनके जीवन परिचय को लेकर जो भ्रांतियां हैं, उन्हें दूर करने का भी प्रयास किया जाए और उनकी सच्ची जीवनी को सभी तक पहुंचाने का प्रयास किया जाए। प्रणवीर सिंह भींडर ने सभी का आभार व्यक्त किया। देवनारायण सिंह शक्तावत ने मंच संचालन किया। कार्यक्रम में राजस्थान व मध्य प्रदेश के शक्तावत राजपूतों के अनेकों ठिकानों से समाजबंधु उपस्थित हुए एवं शक्ति सिंह जी को पुष्पांजलि अर्पित की।

फार्म-4 (नियम-8)

1.	**प्रकाशन स्थान**	: ए-8, तारानगर, झोटवाड़ा, जयपुर-302 012
2.	**प्रकाशन अवधि**	: पाक्षिक
3.	**मुद्रक का नाम**	: राजेन्द्र सिंह राठौड़
	नागरिकता	: भारतीय
	क्या विदेशी है	: नहीं
	पता	बी-136, विनोबा भावे नगर, लक्ष्मी नारायण मंदिर के पास, वैशाली नगर, जयपुर-302012
4.	**प्रकाशक का नाम**	: राजेन्द्र सिंह राठौड़
	नागरिकता	: भारतीय
	क्या विदेशी है	: नहीं
	पता	बी-136, विनोबा भावे नगर, लक्ष्मी नारायण मंदिर के पास, वैशाली नगर, जयपुर-302012
5.	**सम्पादक का नाम**	: राजेन्द्र सिंह राठौड़
	नागरिकता	: भारतीय
	क्या विदेशी है	: नहीं
	पता	बी-136, विनोबा भावे नगर, लक्ष्मी नारायण मंदिर के पास, वैशाली नगर, जयपुर-302012
6.	**उन व्यक्तियों के नाम व पते जो समाचार पत्र के स्वामी हों तथा जो समस्त पूंजी के एक प्रतिशत से अधिक के साझेदार व हिस्सेदारी हों।**	: पूर्ण स्वामित्व-श्री संघशक्ति प्रकाशन प्रयन्यास ए-8, तारानगर, झोटवाड़ा जयपुर-302012 (दूरभाषः 2466353)

मैं एतद् द्वारा घोषित करता हूं कि मेरी अधिकतम जानकारी एवं विश्वास के अनुसार ऊपर दिए गए विवरण सत्य है।

07.06.2024

राजेन्द्र सिंह राठौड़
प्रकाशक

वीरेंद्र सिंह विजयपुरा को सर्वोत्तम सेवा पदक

अजमेर कोतवाली प्रभारी वीरेंद्र सिंह विजयपुरा को 11 जून को पुलिस में 25 वर्ष की उत्कृष्ट सेवा के लिए पुलिस अधीक्षक डीके विश्नोई द्वारा सर्वोत्तम सेवा पदक से सम्मानित किया गया। वीरेंद्र सिंह श्री क्षत्रिय युवक संघ के स्वयंसेवक प्रवीण सिंह विजयपुरा के छोटे भाई हैं।

ऋतु कंवर दूजोद बनी फ्लाइंग ऑफिसर

सीकर जिले के दूजोद गांव की निवासी ऋतु कंवर शेखावत पुत्री गजेंद्र सिंह भारतीय वायु सेवा में फ्लाइंग ऑफिसर के पद पर नियुक्त हुई है।

जोधपुर में राजपूत शिक्षा कोष की बैठक संपन्न

राजपूत शिक्षा कोष की बैठक 30 मई को जोधपुर स्थित मारवाड़ राजपूत सभा भवन स्थित कार्यालय में आयोजित हुई। कोष के संरक्षक पूर्व सांसद नारायण सिंह माणकलाव की अध्यक्षता में संपन्न इस बैठक में कोष के उपाध्यक्ष बिशन सिंह सोढ़ा ने बताया कि प्रतिभा प्रोत्साहन निधि योजना के अंतर्गत कक्षा 12वीं बोर्ड परीक्षा में 95% से ज्यादा अंक प्राप्त करने वाले व ईडब्ल्यूएस प्रमाण पत्र की पात्रता रखने वाले राजपूत समाज के प्रतिभावान छात्र-छात्राओं द्वारा आवेदन किया जा सकता है। प्राप्त आवेदन पत्र के आधार पर मेरिट बनाकर जेईई प्रवेश परीक्षा, नीट प्रवेश परीक्षा और क्लैट प्रवेश परीक्षा हेतु पांच-पांच प्रतिभाओं को चयनित किया जायेगा तथा उनकी 1 वर्ष के लिए राजस्थान की सर्वश्रेष्ठ कोचिंग संस्थान से कोचिंग की व्यवस्था राजपूत शिक्षा कोष के माध्यम से की जाएगी।

IAS/ RAS
तैयारी करने का राजस्थान का सर्वश्रेष्ठ संस्थान
स्प्रिंग बोर्ड
Spring Board
Springboard Academy, Main Riddi Siddi choraha, Opposite Bank of Baroda, Gopalpura bypass Jaipur
website : www.springboardindia.org

BNB
ॐ
श्री योगेश्वर छात्रावास
कुचामन सिटी
विशेषताएं
1. कक्षा 6 से 12 वीं तक के विद्यार्थियों हेतु सीमित स्थान ।
2. अनुशासित एवं नियमित दिनचर्या ।
3. शुद्ध, पौष्टिक एवं सात्विक आहार ।
4. सभी प्रमुख शिक्षण संस्थाओ के समीप स्थित ।
5. स्वाध्याय हेतु निःशुल्क लाईब्रेरी सुविधा ।
जिम्मेदारी हमारी विश्वास आपका
संम्पर्क सूत्र :
9772097087, 9799995005, 8769190974
SBI बैंक के पास, डीडवाना रोड़, कुचामन सिटी

अलख नयन
आई हॉस्पिटल
Super Specialized Eye Care Institute
विश्वस्तरीय सम्पूर्ण नेत्र चिकित्सा सेवाएं
मोतियाबिन्द | कॉर्निया | नेत्र प्रत्यारोपण
कालापानी | रेटिना | बच्चों के नेत्र रोग
डायबिटीक रेटिनोपैथी | ऑक्यूलोप्लास्टि
'अलख हिल्स', प्रताप नगर ऐक्सटेंशन, एयरपोर्ट रोड, उदयपुर
0294-2490970, 71, 72, 9772204624
e-mail : info@alakhnayanmandir.org, Website : www.alakhnayanmandir.org

दसवीं एवं बारहवीं कक्षा में उत्कृष्ट अंक प्राप्त करने वाली समाज की प्रतिभाएं

केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड एवं राजस्थान माध्यमिक शिक्षा बोर्ड द्वारा हाल ही में दसवीं एवं बारहवीं कक्षा के परिणाम घोषित किए गए हैं। इन परिणामों में समाज के अनेक छात्र-छात्राओं ने उत्कृष्ट अंक प्राप्त किए हैं। इनमें से कुछ की सूचना पथप्रेरक कार्यालय में प्राप्त हुई है। अभी तक प्राप्त सूचना के अनुसार 90% से अधिक अंक प्राप्त करने वाले समाज के छात्र-छात्राओं की एक सूची यहां प्रकाशित की जा रही है। शेष सूची व जिन विद्यार्थियों की सूचना आगे प्राप्त होगी, उनका विवरण अगले अंक में प्रकाशित किया जाएगा।

कक्षा 12

क्र. सं.	नाम व पिता का नाम	गांव व जिला	कक्षा	प्राप्तांक प्रतिशत
1.	आदित्य नाथावत पुत्र नगेन्द्र सिंह	लक्ष्मणगढ़ (सीकर)	12 कला वर्ग (सीबीएसई)	96.60
2.	रविंद्र सिंह पुत्र जय सिंह	सुमेरगढ़ खेड़ा (जालौर)	12 कला वर्ग (आरबीएसई)	91.60
	विशेष: छात्र ने श्री क्षत्रिय युवक संघ का शिविर भी किया है।			
3.	लक्ष्मण सिंह पुत्र अर्जुन सिंह	सोलंकिया तला (जोधपुर)	12 विज्ञान वर्ग (आरबीएसई)	91.80
4.	वंशादित्य सिंह चौहान पुत्र खुशवंत सिंह	लांबापारड़ा (बांसवाड़ा)	12 विज्ञान वर्ग (आरबीएसई)	91.00
5.	सरोज कंवर पुत्री चतूरसिंह	नानणियाई (पोकरण)	12 कला वर्ग (आरबीएसई)	94.40
6.	आईदान सिंह पुत्र गोपाल सिंह	सेंहला (बाड़मेर)	12 विज्ञान वर्ग	92.80
	विशेष : छात्र श्री क्षत्रिय युवक संघ के स्वयंसेवक मोती सिंह सेंहला का छोटा भाई है एवं स्वयं ने भी संघ के शिविर किए हैं।			
7.	मोहन सिंह सोढ़ा पुत्र सुजान सिंह	देदूसर (बाड़मेर)	12 विज्ञान वर्ग	93.60
	विशेष : छात्र के पिता सुजान सिंह देदूसर श्री क्षत्रिय युवक संघ के स्वयंसेवक हैं।			
8.	विजयलक्ष्मी पंवार पुत्री ललित सिंह पंवार	आमली (भीलवाड़ा)	12 विज्ञान वर्ग (सीबीएसई)	98.60
9.	भाग्यश्री चौहान पुत्री प्रह्लाद सिंह	उम्बाड़ा (बांसवाड़ा)	12 कला वर्ग (आरबीएसई)	96.80
10.	हंसराज सिंह चुंडावत पुत्र प्रह्लाद सिंह	पाचवडा (बांसवाड़ा)	12 विज्ञान वर्ग (आरबीएसई)	98.60
11.	राजतिलक सिंह चुंडावत पुत्र जगपाल सिंह	पादर (बांसवाड़ा)	12 कला वर्ग (आरबीएसई)	91.40
12.	रावल सिंह पुत्र वीरेन्द्र सिंह	भैंसडा (जैसलमेर)	12 विज्ञान वर्ग	92.20
	विशेष : छात्र ने संघ का शिविर भी किया है।			
13.	करिश्मा कंवर पुत्री शैतान सिंह चौहान	चौहानों का खंडेला (सलूंबर)	12 कला वर्ग (आरबीएसई)	92.80
14.	नरेंद्र सिंह पुत्र हरि सिंह	खीरवां (फलोदी)	12 विज्ञान वर्ग (आरबीएसई)	90.00
15.	अश्विनी सिंह भाटी पुत्र भंवर सिंह	कक्कू (बीकानेर)	विज्ञान वर्ग (आरबीएसई)	98.80
16.	राणु कंवर पुत्री सवाई सिंह	तेजमालता (जैसलमेर)	12 कला वर्ग (आरबीएसई)	90.60
17.	गोपाल सिंह पुत्र शैतान सिंह	मिठोड़ा (बालोतरा)	12 कला वर्ग (आरबीएसई)	92.00
18.	प्रेम कंवर पुत्री नरपत सिंह	चांदेसरा (बालोतरा)	12 कला वर्ग (आरबीएसई)	95.40
19.	दुष्यंत सिंह गौड़ पुत्र सोहन सिंह	बरखेड़ा (झालावाड़)	12 विज्ञान वर्ग (आरबीएसई)	91.60
20.	शौर्यप्रताप सिंह चौहान पुत्र नागेंद्र सिंह	काका जी का गड़ा (बांसवाड़ा)	12 विज्ञान वर्ग (आरबीएसई)	92.00
21.	जनक शेखावत पुत्री सवाई सिंह	सरवड़ी (बालोतरा)	12 विज्ञान वर्ग (आरबीएसई)	90.80
22.	महिपाल सिंह पुत्र अमर सिंह	सायला (जालोर)	12 कला वर्ग (आरबीएसई)	94.20
23.	कल्याण सिंह पुत्र अगर सिंह	सुरा नरपतान (बाड़मेर)	12 कृषि विज्ञान वर्ग (आरबीएसई)	90.20
24.	संदीप सिंह पुत्र लक्ष्मण सिंह	फालकी (नागौर)	12 कला वर्ग (आरबीएसई)	95.40
25.	रेणुका कंवर पुत्री नीम्ब सिंह	झिनझिनयाली (जैसलमेर)	12 विज्ञान वर्ग (आरबीएसई)	95.60
	विशेष : छात्रा श्री क्षत्रिय युवक संघ के वरिष्ठ स्वयंसेवक रेवंत सिंह झिनझिनयाली की पौत्री और तारेंद्र सिंह झिनझिनयाली की भतीजी है।			
26.	यदुवेंद्र सिंह पुत्र गणपत सिंह चंपावत	निंबली उड़ा (पाली)	12 विज्ञान वर्ग (आरबीएसई)	90.00
	विशेष : छात्र ने श्री क्षत्रिय युवक संघ के शिविर किए हैं।			

(शेष अगले अंक में)

कक्षा 10

क्र. सं.	नाम व पिता का नाम	गांव व जिला	कक्षा	प्राप्तांक प्रतिशत
1.	वैदेही शेखावत पुत्री नरेंद्र सिंह	रामजीपुरा-जयपुर	10 (सीबीएसई)	96.00
2.	अंशुमान सिंह पुत्र मानवेंद्र सिंह चौहान	निंबाहेड़ा (चितौड़गढ़)	10 (सीबीएसई)	90.00
3.	तीरथ सिंह शेखावत पुत्र बलबीर सिंह	टस्कोला-जयपुर	10 (आरबीएसई)	98.67
4.	हुकम सिंह पुत्र स्व. मूल सिंह	खारी (बाड़मेर)	10 (आरबीएसई)	96.83
5.	पूजा कंवर पुत्री हरी सिंह	सणाऊ (बाड़मेर)	10 (आरबीएसई)	90.83
	विशेष: छात्रा श्री क्षत्रिय युवक संघ के स्वयंसेवक श्रवण सिंह सणाऊ की बहन है और स्वयं ने भी संघ के 8 शिविर किए हैं।			
6.	यशोदा कंवर पुत्री हरि सिंह	मीठडाऊ-जैसलमेर	10 (आरबीएसई)	91.00
7.	मनीषा कंवर पुत्री राजेन्द्र सिंह	भदड़िया-जैसलमेर	10 (आरबीएसई)	94.67
8.	महक उदावत पुत्री रवींद्र प्रताप सिंह	रायपुर (ब्यावर)	कक्षा - 10 (आरबीएसई)	97.17
9.	मुस्कान उदावत पुत्री रवींद्र प्रताप सिंह	रायपुर (ब्यावर)	10 (आरबीएसई)	93.33
10.	आरुषि चौहान पुत्री जितेन्द्र सिंह	रिंछा (डूंगरपुर)	10 (आरबीएसई)	96.67
11.	मयूरराज सिंह पुत्र माधव सिंह	भोपालपुरा(सलूंबर)	10 (आरबीएसई)	91.83
12.	पुण्यवर्धन सिंह चौहान पुत्र नरेन्द्र सिंह	ठिकरिया (बांसवाड़ा)	10 (आरबीएसई)	91.50
13.	यशराज सिंह शक्तावत पुत्र सज्जन सिंह	बाना खुर्द (सलूंबर)	10 (आरबीएसई)	94.17
14.	प्रिंस राज सिंह शक्तावत पुत्र महेंद्र सिंह	गेहूवाड़ा (डूंगरपुर)	10 (आरबीएसई)	94.00
15.	डिंपल चौहान पुत्री नटवर सिंह चौहान	टेकला सबला (डूंगरपुर)	10 (आरबीएसई)	96.33
16.	लाल बहादुर सिंह पुत्र देरावर सिंह भाटी	जोगीदास का गांव (जैसलमेर)	10 (आरबीएसई)	98.33
17.	धैर्यवर्द्धन सिंह पुत्र प्रदीप सिंह चौहान	लड़की (भीलवाड़ा)	10 (आरबीएसई)	93.17
18.	हेमलता कंवर पुत्री सदन सिंह तंवर	कल्याणपुरा कलां (कोटपुतली-बहरोड़)	10 (आरबीएसई)	93.83
19.	सवाई सिंह पुत्र नरपत सिंह	खीरवां (फलोदी)	10 (आरबीएसई)	95.17
20.	धन कंवर पुत्री विक्रम सिंह	सनावड़ा (पोकरण)	10 (आरबीएसई)	90.17
21.	अक्षयराज सिंह पुत्र दिग्पाल सिंह	वखतपुरा-बांसवाड़ा	10 (आरबीएसई)	96.33
22.	कविता कंवर पुत्री गजेंद्र सिंह	धौलिया (फलोदी)	10 (आरबीएसई)	92.00
23.	खुशी चौहान पुत्री भोपाल सिंह	काका जी का गड़ा (बांसवाड़ा)	10 (आरबीएसई)	93.84
24.	भुवनेश सिंह राठौड़ पुत्र भगवान सिंह	रोडा (बीकानेर)	10 (आरबीएसई)	94.00
25.	मानवेंद्र सिंह राठौड़ पुत्र राजू सिंह	सारुण्डा (बीकानेर)	10 (सीबीएसई)	94.60
26.	मनोज कंवर पुत्री गुलाब सिंह	नोखड़ा (बीकानेर)	10 (आरबीएसई)	90.60
27.	भूपेंद्र सिंह पुत्र माधो सिंह	खारा (फलोदी)	10 (आरबीएसई)	94.33
28.	युवराज सिंह पुत्र जोरावर सिंह	रत्न की बस्सी (जैसलमेर)	10 (आरबीएसई)	90.17
29.	राहुल सिंह राठौड़ पुत्र राजू सिंह	कागल (जोधपुर)	10 (आरबीएसई)	93.17
30.	ईश्वर सिंह पुत्र सुमेर सिंह	रूदिया (जोधपुर)	10 (आरबीएसई)	91.83
31.	जसवंत सिंह पुत्र स्वरूप सिंह	कोटडा (बाड़मेर)	10 (आरबीएसई)	97.50
32.	छैलू सिंह पुत्र रतन सिंह	पेथड़ो की ढाणी (बीकानेर)	10 (आरबीएसई)	91.17
33.	अभिजीत सिंह राठौड़ पुत्र गजेंद्र सिंह	जावली (पाली)	10 (आरबीएसई)	91.00
34.	हिमाक्षी कंवर पुत्री गणपत सिंह	पादरू (बालोतरा)	10 (आरबीएसई)	96.83
35.	आदित्यराज सिंह पुत्र हंसराज सिंह शक्तावत	भीमपुर (सलूंबर)	10 (सीबीएसई)	92.20
36.	पुष्पराज सिंह चौहान पुत्र गोविंद सिंह	कोठारिया-राजसमंद	10 (आरबीएसई)	95.00
37.	यशपाल सिंह राठौड़ पुत्र हिम्मत सिंह	भुरटिया (बाड़मेर)	10 (आरबीएसई)	96.33

(शेष अगले अंक में)

(पृष्ठ एक का शेष)

प्रताप जैसा... अकबर द्वारा दिए गए सभी प्रलोभनों को उन्होंने ठुकरा दिया और अपने स्वाभिमान को कभी भी झुकने नहीं दिया। गीता में वर्णित क्षत्रिय के सातों गुण - शौर्य, तेज, धैर्य, दक्षता, संघर्षप्रियता, दान और ईश्वरीय भाव महाराणा प्रताप के व्यक्तित्व में कूट-कूट कर भरे थे। इनमें सबसे महत्त्वपूर्ण है - ईश्वरीय भाव जो क्षत्रियत्व को उजागर करता है। वह ईश्वरीय भाव उनके भीतर था और इसीलिए उनकी प्रजा उन्हें कीका कहकर बुलाती थी। श्री क्षत्रिय युवक संघ में भी इन सातों गुणों को विकसित करने का कार्य किया जाता है, इसलिए हम यह भी कह सकते हैं कि श्री क्षत्रिय युवक संघ महाराणा प्रताप को बनाने का कार्य करता है, दुर्गादास बनाने का कार्य करता है, मीरा को, हाड़ी रानी को बनाने का प्रयास करता है।

ज्येष्ठ शुक्ला तृतीया (9 जून) को महाराणा प्रताप की जयंती के उपलक्ष में देश भर में कार्यक्रम आयोजित किए गए एवं देशवासियों द्वारा राष्ट्रगौरव प्रताप के प्रति कृतज्ञता ज्ञापित की गई। महाराणा प्रताप समारोह समिति द्वारा प्रताप जयंती की पूर्व संध्या पर 8 जून को केसरबाग, सिरसी रोड, जयपुर में समारोह का आयोजन किया गया। राजस्थान सरकार में कैबिनेट मंत्री राज्यवर्धन सिंह राठौड़ ने राष्ट्र और धर्म के लिए महाराणा प्रताप के संघर्ष को याद किया और कहा कि महाराणा प्रताप का संघर्ष हम सबके लिए प्रेरणास्पद है। श्री क्षत्रिय युवक संघ के केंद्रीय कार्यकारी गजेंद्र सिंह आऊ ने अपने उद्बोधन में कहा कि महाराणा प्रताप का ध्येय निश्चित था, इसलिए वे अपने उद्देश्य की पूर्ति के लिए आजीवन संघर्षरत रहे। कठिनाइयों को झेलते हुए भी अपने ध्येय से विचलित नहीं हुए और यही कारण है कि आज राणा प्रताप हमारे लिए पूजनीय हैं और प्रातः स्मरणीय हैं। श्री राजपूत सभा जयपुर के अध्यक्ष रामसिंह चंदलाई ने महाराणा प्रताप को आदर्श मानकर उनके संघर्ष से प्रेरणा लेकर आगे बढ़ने पर जोर दिया। कार्यक्रम को संजय भार्गव, सत्यनारायण चौधरी, अमन भारद्वाज द्वारा भी संबोधित किया गया। कार्यक्रम में वीर रस के कवि उम्मेद उत्साही व दिग्विजय गोगटीया द्वारा कविता पठन किया गया। कार्यक्रम के संयोजक प्रेमसिंह बनवासा ने सभी का आभार व्यक्त किया।

वागड़ क्षत्रिय महासभा संस्थान डूंगरपुर द्वारा महाराणा प्रताप जयंती कार्यक्रम का आयोजन श्री लक्ष्मण राजपूत छात्रावास में महंत लक्ष्मण पुरी जी उदयपुर के सान्निध्य में किया गया। श्री क्षत्रिय युवक संघ के प्रांत प्रमुख टैंक बहादुर सिंह गेहुँवाड़ा, कृष्ण बलदेव सिंह राठौड़ ने महाराणा प्रताप की वीरता के बारे में बताते हुए कहा कि विपरीत परिस्थितियों के होते हुए भी उन्होंने अपना स्वाभिमान बनाए रखा। सुश्री नेहा, सुभाष रोत, कवि श्रेणी दान चारण, डॉ. कौस्तुभ सिंह आदि ने भी कार्यक्रम को संबोधित किया। अनूपगढ़ स्थित प्राचीन गढ़ में महाराजा गंगा सिंह क्षत्रिय संस्थान द्वारा प्रताप जयंती का आयोजन किया गया। जशपुर रियासत के राजा रणविजय प्रताप सिंह, सेवानिवृत कर्नल हेम सिंह शेखावत, श्री क्षत्रिय सभा बीकानेर के जिला अध्यक्ष करण प्रताप सिंह सिसोदिया सहित अनेकों गणमान्य समाज बंधु कार्यक्रम में उपस्थित रहे। राजपूत महासभा हिमाचल प्रदेश के तत्वावधान में सुंदर नगर के महाराणा प्रताप चौक पर प्रताप जयंती के उपलक्ष्य में विशेष पूजा व रैली का आयोजन किया गया। संस्थान के महासचिव के एस जमवाल ने कहा कि हम महाराणा प्रताप को किस प्रकार सच्ची श्रद्धांजलि दे सकते हैं इस पर हमें विचार करना चाहिए। विश्व हिंदू परिषद के प्रांत अध्यक्ष लेखराज राणा ने भी रैली को संबोधित किया।

अखिल भारतीय क्षत्रिय महासभा के तत्वावधान में महाराणा प्रताप प्रतिमा स्थल, पुरैना चौराहा आंवला, बरेली में हर्षोल्लास से मनायी गयी। जय गोपाल सिंह, जुगेंद्र पाल सिंह, गोपाल सिंह आदि ने महाराणा प्रताप के व्यक्तित्व एवं कृतित्व पर प्रकाश डाला। बेंगलुरु में राणासिंहपेट में स्थित चामुंडा माताजी मंदिर में श्री क्षत्रिय युवक संघ के स्वयंसेवकों द्वारा सामूहिक शाखा का आयोजन कर महाराणा प्रताप एवं पृथ्वीराज चौहान की जयंती संयुक्त रूप से मनाई गई। 9 जून को श्री क्षत्रिय युवक संघ शाखा स्थल क्षत्रिय सेवा समिति, दादी का फाटक ,जयपुर में महाराणा प्रताप की जयंती का आयोजन हुआ। लाडनूं में भी महाराणा प्रताप जयंती कार्यक्रम का आयोजन किया गया जिसमें महाराणा प्रताप के जीवन पर प्रकाश डालते हुए मोहन सिंह प्यावां ने कहा कि महाराणा प्रताप हिंदुआ सूरज हैं जिन्होंने अपने पराक्रम से मेवाड़ धरा को मुगलों से आजाद करवाने हेतु जीवन पर्यन्त संघर्ष किया। पाली प्रांत में श्री क्षत्रिय युवक संघ की छोटी रानी शाखा द्वारा भी प्रताप जयंती मनाई गई। छोटी रानी में स्थित भगवान शिव मंदिर परिसर में आयोजित कार्यक्रम में संघ के वरिष्ठ स्वयंसेवक हीर सिंह लोडता ने कार्यक्रम की भूमिका बताई। प्रांत प्रमुख मोहब्बत सिंह धींगाणा ने महाराणा प्रताप के जीवन परिचय से अवगत कराया। पाली प्रांत में श्री क्षत्रिय युवक संघ की खिंदारा गांव शाखा द्वारा भी जयंती मनाई गई जिसमें प्रांत प्रमुख मोहब्बत सिंह धिंगाणा व समाजबंधुओं ने प्रताप को पुष्पांजलि अर्पित की। श्री क्षत्रिय युवक संघ के तत्वावधान में सर्व समाज द्वारा ग्राम गुड़ा भीम सिंह की रावली पोल पर भी जयंती मनाई गई। राजसमंद जिले में मदारिया नाथ देवगढ़ में महाराणा प्रताप जयंती के उपलक्ष्य में वाहन रैली का आयोजन किया गया जिसमें मयूरध्वज सिंह देवगढ़ समाजबंधुओं सहित उपस्थित रहे। संयुक्त राज्य अमेरिका के राज्य जॉर्जिया की राजधानी त्बिलिसी में महाराणा प्रताप महोत्सव का आयोजन किया गया जिसमें वाहन रैली निकाली गई एवं भारतीय धरोहर और महाराणा प्रताप की झांकी प्रदर्शित की गई। भारतीय क्षत्रिय महासभा जयपुर द्वारा महाराणा प्रताप जयंती समारोह रजवाड़ा फोर्ट जयपुर में आयोजित किया गया। वरिष्ठ आईएएस राजेश्वर सिंह, राजस्थान सरकार के उद्योग मंत्री राज्यवर्धन सिंह राठौड़, आईपीएस हेमंत प्रियदर्शी, लेफ्टिनेंट जनरल के. के. सिंह, अतिरिक्त मुख्य सचिव कुसुम राठौड़ ने कार्यक्रम को संबोधित किया और कहा कि आज हमें महाराणा प्रताप के आदर्श व सिद्धांतों पर चलने की आवश्यकता है। केकड़ी शहर में प्रताप जयंती के अवसर पर विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए गए। जयंती की पूर्व संध्या पर महाराणा प्रताप चौक पर 484 दीप प्रज्वलित किए गए तथा जयंती के दिन शहर में वाहन रैली निकाली गई। भाजपा नेता भंवर सिंह पलाड़ा, आरटीओ वीरेंद्र सिंह, महेंद्र सिंह कड़ैल, केकड़ी पंचायत समिति प्रधान होनहार सिंह राठौड़ आदि ने कार्यक्रम को संबोधित किया। राष्ट्रीय करणी सेना की ओर से प्रताप जयंती पर सीकर रोड स्थित भवानी निकेतन परिसर से वैशाली नगर स्थित कार्यालय तक वाहन रैली का आयोजन किया गया। रैली को पूर्व मंत्री राजेंद्रसिंह राठौड़ ने हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। चित्रकूट स्टेडियम पर आयोजित सभा में समाज जनों ने महाराणा प्रताप की प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित की। नीमकाथाना जिले के अजीतगढ़ में स्थित जगदीश मैरिज गार्डन में भी प्रताप जयंती के उपलक्ष्य में समारोह का आयोजन हुआ। कार्यक्रम में राजस्थान सरकार के पूर्व कैबिनेट मंत्री प्रताप सिंह खाचरियावास एवं पद्मश्री जगदीश पारीक उपस्थित रहे। श्री राजपूत सभा भवन, जयपुर में भी जयंती समारोह का आयोजन हुआ। वक्ताओं ने जयपुर में महाराणा प्रताप की विशाल प्रतिमा स्थापित करने और सभी संगठनों द्वारा मिलकर सामूहिक रूप से प्रताप जयंती मनाने की बात रखी। झुंझुनूं जिले के नवलगढ़ कस्बे में स्थित राजपूत सभा भवन में भी महाराणा प्रताप की जयंती मनाई गई। झुंझुनूं जिले के मलसीसर गांव में स्थित प्रजापति गेस्ट हाउस में भी जयंती कार्यक्रम का आयोजन हुआ। पाली के रायपुर में महाराणा प्रताप स्मृति समिति के तत्वावधान में महाराणा प्रताप एवं पृथ्वीराज चौहान की जयंती संयुक्त रूप से मनाई गई। सोजत मंडल की सारंगवास शाखा में भी महाराणा प्रताप की जयंती मनाई गई। अजमेर में स्थित परमवीर मेजर शैतान सिंह छात्रावास में भी प्रताप जयंती मनाई गई। अजमेर के बोराड़ा कस्बे में भी समारोह पूर्वक प्रताप जयंती मनाई गई। गुजरात में पाटण प्रांत में वीर अमर सिंह राठौड़ शाखा कुणघेर द्वारा महाराणा प्रताप की जयंती मनाई गई। प्रांत प्रमुख धर्मेंद्र सिंह मोटी चंदुर ने महाराणा प्रताप का जीवन परिचय दिया। उत्तरप्रदेश के साठा चौरासी के मतनावली ग्राम में भी महाराणा प्रताप की जयंती मनाई गई जिसमें ग्राम प्रधान बृजेश सिंह राणा के नेतृत्व में ग्रामवासियों ने महाराणा प्रताप की प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित की। महाराणा प्रताप मंदिर भवन, नेहरू नगर, गाजियाबाद में भी जयंती के अवसर पर हवन पूजन किया गया। हरियाणा में रेवाड़ी के महाराणा प्रताप चौक पर महाराणा प्रताप जयंती समिति के तत्वावधान में समारोह का आयोजन हुआ। क्षत्रिय समाज सेवा समिति नंदग्राम के तत्वावधान में नंदग्राम में महाराणा प्रताप जयंती के अवसर पर शोभायात्रा का आयोजन किया गया जिसमें सैकड़ो दुपहिया व चौपहिया वाहनों के साथ समाजबंधु सम्मिलित हुए। पूर्व विधायक संगीत सिंह सोम, पूर्व डिप्टी मेयर सरदार सिंह भाटी, ठाकुर पूरण सिंह, ललित राणा, अनिल खेड़ा आदि ने कार्यक्रम को संबोधित किया।

आनन्द सिंह सरदारगढ़ का देहावसान

आनन्द सिंह

श्री क्षत्रिय युवक संघ के स्वयंसेवक **आनन्द सिंह** सरदारगढ़ का देहावसान 12 जून 2024 को 73 वर्ष की आयु में हो गया। उन्होंने अपने जीवन काल में श्री क्षत्रिय युवक संघ के 6 शिविर किए जिनमें पांच माध्यमिक प्रशिक्षण शिविर एवं एक प्राथमिक प्रशिक्षण शिविर शामिल हैं। 1964 में कोलायत में आयोजित माध्यमिक प्रशिक्षण शिविर उनका प्रथम शिविर था। पथप्रेरक परिवार परमपिता परमेश्वर से दिवंगत आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना करता है एवं शोकाकुल परिजनों के प्रति संवेदना व्यक्त करता है।

दूधवा बंधुओं को मातृशोक

श्रीमती हेम कंवर

श्री क्षत्रिय युवक संघ के स्वयंसेवक दुर्जन सिंह व नरपत सिंह दूधवा के माताजी **श्रीमती हेम कंवर** धर्मपत्नी स्व. कूम्प सिंह जी चौहान का देहावसान 3 जून 2024 को हो गया। पथप्रेरक परिवार परमपिता परमेश्वर से दिवंगत आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना करता है एवं शोक संतप्त परिजनों के प्रति संवेदना व्यक्त करता है।

वैण सिंह तेजमालता को पितृशोक

जय सिंह

श्री क्षत्रिय युवक संघ के स्वयंसेवक वैण सिंह तेजमालता के पिता श्री **जय सिंह** पुत्र इंद्र सिंह का देहावसान 3 जून 2024 को 86 वर्ष की आयु में हो गया है। जय सिंह की पौत्री सन्तोष और पौत्र रविंद्र सिंह ने भी श्री क्षत्रिय युवक संघ के शिविर किए हैं तथा पूरा परिवार संघ से जुड़ा हुआ है। पथप्रेरक परिवार परमपिता परमेश्वर से दिवंगत आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना करता है एवं शोक संतप्त परिजनों के प्रति संवेदना व्यक्त करता है।

फतेह सिंह भटवाड़ा को मातृशोक

श्रीमती हेम कंवर

श्री क्षत्रिय युवक संघ के स्वयंसेवक फतेह सिंह भटवाड़ा की माताजी **श्रीमती हेम कंवर** धर्मपत्नी स्व. श्री पृथ्वी सिंह चुंडावत का देहावसान 28 मई 2024 को 93 वर्ष की आयु में हो गया। पथप्रेरक परिवार परमपिता परमेश्वर से दिवंगत आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना करता है एवं शोकाकुल परिजनों के प्रति संवेदना व्यक्त करता है।

हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं

श्री क्षत्रिय युवक संघ के स्वयंसेवक

श्री गजेन्द्र सिंह शेखावत

(महरोली)

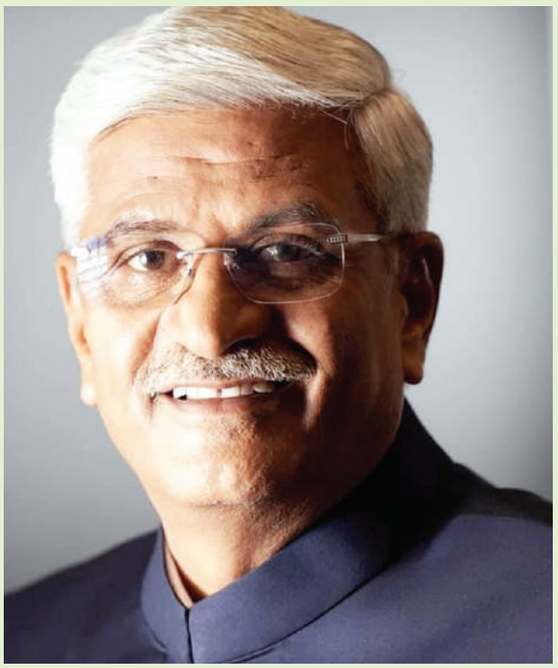

को भारत सरकार में

केंद्रीय संस्कृति एवं पर्यटन मंत्री

बनने पर हार्दिक बधाई एवं

उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं

शुभेच्छु:

भरत सिंह मानगढ़	जोगराजसिंह काठा	नारायण सिंह आईता	मदन सिंह सोढ़ा मारूड़ी (बाड़मेर ट्रैवल्स)
कुंदन सिंह सुलताना	उदय सिंह भाड़ली	लख सिंह भाटी फोगेरा	नरेंद्र सिंह जाविया
चत्तर सिंह मालुंगा	लूणसिंह भाड़ली	पूनमसिंह गंगाला	अनुपाल सिंह लुदराड़ा
ओम सिंह मिठौड़ा	नरपत सिंह कुंपावत गुड़ा जेतसिंह	लीलू सिंह सुलताना	रुगवीर सिंह जाफली
मोहकम सिंह फुलिया	दिलीप सिंह गड़ा	केतनसिंह चलथान	दिलीप सिंह खारिया मीठापुर

एवं समस्त स्वयंसेवक, सूरत संभाग

श्री संघशक्ति प्रकाशन प्रन्यास (स्वत्वाधिकारी) के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक राजेन्द्र सिंह राठौड़ द्वारा भास्कर प्रिंटिंग प्रेस, डी बी कॉर्प लिमिटेड, प्लोट नंबर-01, मंगलम कनक वाटिका के पीछे, प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना, रेल्वे क्रोसिंग के पास, बिलवा, शिवदासपुरा, टोंक रोड़, जयपुर (राजस्थान)-303903 (दूरभाष- 6658888) से मुद्रित एवं ए-8, तारानगर, झोटवाड़ा, जयपुर- 302012 (दूरभाष- 2466353) से प्रकाशित। संपादक- राजेंद्र सिंह राठौड़।
Email- pathprerak1997@gmail.com Website- www.shrikys.org